Research Subjects and Guidelines for the Students of School of Journalism and Media Studies (December, 2021)

पत्रकारिता और मीडिया अध्ययन स्कूल के विद्यार्थियों के लिए लघु शोध प्रबंध के विषय और निर्देश

(दिसंबर, 2021)

For the attention of final semester students of MA-JMC, PGD-JMC, PGD-BJNM, PGD-APR

एमए-जेएमसी, पीजीडी-जेएमसी, पीजीडी-बीजेएनएम, पीजीडी-एपीआर अंतिम सेमेस्टर के विद्यार्थी ध्यान दें -

सत्र 2020-21 में उपरोक्त कार्यक्रमों के अंतिम सेमेस्टर के जिन विद्यार्थियों के लघुशोध / प्रोजेक्ट कार्य पूर्ण नहीं हो पाये, व शीतकालीन सत्र के अंतर्गत अध्ययनरत् अंतिम सेमेस्टर के विद्यार्थियों को नीचे दिये गए किसी एक विषय पर मौलिक लघुशोध प्रबंध लिखकर 30 नवम्बर, 2021 तक विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं मीडिया अध्ययन विद्याशाखा में स्वयं या रजिस्टर्ड डाक द्वारा जमा कराना होगा।
विद्यार्थी सभी निर्देशों का पालन करें और अपने शोध निर्देशक को भी अनिवार्य रूप से इसे पढ़ाएं।

एमए जेएमसी के विद्यार्थियों हेतु लघुशोध प्रबन्ध के विषय-

1. आपदा प्रबन्धन में मीडिया की भूमिका: उत्तराखण्ड के विशेष संदर्भ में।
2. उत्तराखण्ड में पत्रकारिता की शिक्षा एवं रोजगार की संभावनवाएं।
3. सामाजिक जागरूकता में सामुदायिक रेडियो की भूमिका : उत्तराखण्ड के विशेष संदर्भ में।
4. 'युगवाणी' पत्रिका के 75 वर्ष और उत्तराखण्ड की जनपक्षीय पत्रकारिता।
5. उत्तराखण्ड राज्य आंदोलन में मीडिया की भूमिका।

पीजीडी-जेएमसी, पीजीडी-बीजेएनएम, पीजीडी-एपीआर अंतिम सेमेस्टर के विद्यार्थियों के लिए :

1. कोविड 19 और मीडिया : उत्तराखण्ड के विशेष संदर्भ में एक सचित्र रिपोर्ट।
2. उत्तराखण्ड में प्रिन्ट मीडिया : वर्तमान परिप्रेक्ष्य में एक अध्ययन रिपोर्ट।
3. किसी मीडिया संस्थान की समस्त कार्य प्रणाली पर एक अध्ययन रिपोर्ट।
4. कोविड 19 के दौरान सोशल मीडिया का समाज पर सकारात्मक प्रभाव का एक अध्ययन।

कृपया नीचे दिये गए निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें -

1. विद्यार्थियों से लघु शोध प्रबंध करवाने का उद्देश्य उन्हें संचार शोध का व्यावहारिक ज्ञान देना है। इसलिए विद्यार्थी शोध प्रबंध लिखने से पहले पुस्तकालयों और इंटरनेट पर उपलब्ध शोध ग्रंथों का अध्ययन कर लें। इससे उन्हें शोध प्रबंध लिखने में मदद मिलेगी।
2. विद्यार्थियों को दिए गए विषयों में से किसी एक विषय पर लघु शोध प्रबंध लिखना है। कृपया ध्यान रखें कि विषयों के आधार पर अपना शीर्षक विकसित किया जा सकता है। लेकिन शीर्षक का मुख्य विषय पर आधारित होना जरूरी हैं।
3. शोध विषय से सम्बन्धित साहित्य का अवलोकन व अध्ययन अवश्य करें, इससे आपकी विषय सम्बन्धी जानकारी बढेगी और आपका शोध कार्य वेहत्तर होगा।
4. 30 नवम्बर, 2021 तक लघु शोध प्रबंध का विश्वविद्यालय के पत्रकारिता और मीडिया अध्ययन स्कूल में पहुंचना अनिवार्य हैं।
5. शोध प्रबंध लेखन के मौलिक न होने और नियमों का पालन न करने पर उसे अस्वीकृत कर दिया जाएगा।
6. **छात्र शोध निर्देशक के चयन हेतु पत्रकारिता एवं मीडिया अध्ययन विद्याशाखा के समन्वयक व अन्य शिक्षकों से संपर्क करेंगे, जिसके पश्चात उन्हें विश्वविद्यालय द्वारा नामित शोध निर्देशक उपलब्ध कराये जायेंगे।**

लघु शोध करवाने वाले शिक्षक की जिम्मेदारी

1. शिक्षक, विद्यार्थी के शोध ग्रंथ की मौलिकता के लिए नैतिक और कानूनी तौर पर जिम्मेदार होंगे।
2. शोध प्रबंध विश्वविद्यालय की तरफ से दिये गए विषयों पर ही आधारित होगा। लेकिन शोध का शीर्षक विषय की सीमा के भीतर शोध निर्देशक की सहायता से तैयार किया जा सकता है।
3. सबसे पहले विद्यार्थी को एक शोध प्रस्ताव तैयार करना होगा जिसकी जांच और स्वीकृति शोध निर्देशक करेगा। निर्देशक की तरफ से अनुमोदित शोध प्रस्ताव की प्रति विद्यार्थी को शोध प्रबंध के साथ संग्लग्न करनी होगी।
4. शोध प्रबंध में कम से कम पांच अध्याय होंगे। डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के लिए कम से कम 50 पृष्ठ और डिग्री पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों को कम से कम 100 पृष्ठ लिखने होंगे।
5. शोध प्रारंभिक और द्वितीयक दोनों आंकड़ों पर आधारित हो सकता है। शोध प्रबंध लिखते समय मीडिया अध्ययन में उपयोगी शोधशास्त्र (Methodology) का पालन करना जरूरी हैं।
6. बिना संदर्भ-सूची (References) के जमा किया गया अध्ययन स्वीकार नहीं किया जाएगा। संदर्भ सूची के लिए American Psychological Association (APA) के छठे संस्करण (http://student.ucol.ac.nz/library/onlineresources/documents/apa_guide_2015.pdf) का अनुपालन किया जाए।
7. शीर्षक-उपशीर्षक के लिए 14-20 तक फॉन्ट साइज इस्तेमाल किया जा सकता है जबकि मुख्य सामग्री का फॉन्ट साइज 12 होगा। हिंदी में लिखने वाले विद्यार्थी मुख्य सामग्री का फॉन्ट साइज 16 तक रख सकते हैं। इससे कम या ज्यादा फॉन्ट साइज होने पर अध्ययन अस्वीकार किया जा सकता है।

8. प्रिंटेड शोध प्रबंध की हार्ड बाइंडिंग होना जरूरी हैं। स्पाइरल बाइंडिंग और हाथ से लिखे अध्ययन स्वीकार नहीं किये जाएंगे।
9. शोध ग्रंथ के परिशिष्ठ में शोध प्रस्ताव (Synopsis) की प्रति संग्लग्न करना जरूरी हैं।
10. विशेष परिस्थितियों में विद्यार्थी अपनी पसंद के विषय पर शोध प्रबंध लिख सकते हैं लेकिन उन्हें पहले स्कूल आफ जर्नलिज्म एंड मीडिया स्टडीज से अनुमति लेनी होगी।

विशेष - लघु शोध करवाने वाले शिक्षक की जिम्मेदारी शीर्षक के नीचे दिये गये विवरणों पर शोध निर्देशक के दस्तखत कर उसे शोध प्रबंध के साथ लगाएं।

डॉ0 राकेश चन्द्र रयाल
समन्वयक
पत्रकारिता एवं मीडिया अध्ययन विद्याशाखा
9410967600